गुलाम वंश

1. गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने किया। 1206ई0में वह गौरी का गुलाम था।
2. कुतुबमीनार की नींव कुतुबुद्दीन ऐबक ने डाली थी।
3. कुतुबुद्दीन ऐबक को लाख बख्श (लाखो का दान देनेवाला) भी कहा जाता था।
4. दिल्ली का कुवत-उल-इस्लाम मस्जिद एवं अजमेर का ढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण ऐबक ने करवाया था।
5. चालीस गुलाम सरदारों का संगठन (तुर्कान ए चिहल-गानी) संगठन इल्तुतमिश ने बनाया था।
6. रजिया बेगम प्रथम मुस्लिम महिला थी, जिसने शासन की बागडोर संभाली।
7. रजिया बेगम ने पर्दा प्रथा को त्यागकर तथा पुरुषों की तरह चोगा (काबा) एवं कुलाह (टोपी) पहनकर राजदरबार गयी।
8. रजिया की शादी अल्तूनिया के साथ हुई।
9. नासिरुद्दीन महमूद ऐसा सुल्तान था जो टोपी सीकर अपना जीवन निर्वाह करता था।
10. तुर्कान ए चिहलगानी का विनाश बलबन ने किया था।
11. राजदरबार में सिजदा एवं पैबोस प्रथा की शुरुआत बलबन ने की थी।
12. बलबन ने फारसी रीति-रिवाज पर आधारित नवरोज उत्सव को प्रारंभ कराया।
13. बलबन ने अपने विरोधियों के लिए लौह एवं रक्त की नीति का पालन किया।
14. बलबन के दरबार में फारसी के प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो एवं अमीर हसन रहते थे।
15. गुलाम वंश का अंतिम शासक शम्सुद्दीन कैमुर्स था।

Scanned with CamScanner